पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

‘क्वीन 2’ में नजर आएंगी कंगना रनोट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 28 ■ शुक्रवार 3 अप्रैल 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

तीन रिक्शा चालकों ने किया गैंगरेप

जान-पहचान का फायदा उठाकर पार्टी में बुलाया

तीनों आरोपी 4 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में

कल्याण. तीन रिक्शा चालकों ने अपनी जान-पहचान की एक 22 साल की लड़की को डोंबिवली के पास खंबालपाड़ा के एक फ्लैट में पार्टी के लिए बुलाया। जब पार्टी ज़ोरों पर थी, तो तीनों रिक्शा ड्राइवरों ने मिलकर लड़की के साथ बारी-बारी से यौन उत्पीड़न किया। पीड़ित लड़की इस अचानक हुई घटना से परेशान हो गई। वह हिम्मत करके तिलकनगर पुलिस स्टेशन आई और पूरी घटना बताई। पुलिस ने इस मामले में तुरंत तीनों रिक्शा ड्राइवरों को गिरफ्तार कर लिया है।

सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विजय कुमार कदम ने बताया कि तीनों आरोपियों को कल्याण डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पेश करने के बाद कोर्ट ने उन्हें 4 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में रखने का आदेश दिया है। गिरफ्तार किए गए रिक्शा ड्राइवरों के नाम चेतन चौहान, हेमंत चौहान, उमेश वर्मा हैं। ये तीनों डोंबिवली इलाके में रिक्शा चलाते हैं. पुलिस ने उनके खिलाफ इंडियन पीनल कोड के तहत केस दर्ज किया है। रिक्शा चलाने वालों में से एक RTO के ज़रिए लाइसेंस बनवाने में रिक्शा चलाने वालों के लिए बिचौलिया का काम करता है।

यह लड़की डोंबिवली में एक प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करती है। चूंकि वह डोंबिवली में सिक्योरिटी गार्ड का काम कर रही थी, इसलिए रिक्शा से सफ़र करते समय डोंबिवली में कुछ रिक्शा वालों से उसकी जान-पहचान हुई। यह जान-पहचान दोस्ती में बदल गई। पीड़ित लड़की अपने काम की जगह पर जाते समय इन रिक्शा वालों से कॉन्टैक्ट और बातचीत करती थी। पीड़ित लड़की असल में सोलापुर की रहने वाली है।

आरोपियों के इरादे से अंजान थी लड़की

इस लड़की से गहरी दोस्ती होने के बाद, तीनों रिक्शा वालों ने ज़िद की कि वे पीड़ित लड़की के लिए एक पार्टी देंगे। चूंकि तीनों रिक्शा वाले उसे अच्छी तरह जानते थे और उनसे किसी तरह की बदतमीज़ी की कोई गुंजाइश नहीं थी, इसलिए लड़की ने इन तीनों रिक्शा वालों के साथ पार्टी में शामिल होने के लिए अपनी तैयारी दिखाई। उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि ये रिक्शा वाले उसके साथ बदतमीज़ी करेंगे। तीनों रिक्शा वाले पीड़ित लड़की को डोंबिवली के पास खंबालपाड़ा में एक रिक्शा वाले के घर ले गए। जब वहां पार्टी चल रही थी और तो तीन रिक्शा वालों ने बारी-बारी से उस लड़की के साथ गैंगरेप किया।

जान-पहचान वालों से ही लड़कियों को यौन शोषण का ज्यादा खतरा !

- ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में 1,204 मामले दर्ज
- पुलिस ने की सतर्क रहने की अपील

ठाणे. जान-पहचान वालों से ही महिलाओं और लड़कियों के साथ यौन शोषण का खतरा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इस साल ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में जान-पहचान वालों या रिश्तेदारों द्वारा यौन शोषण के 1,204 मामले दर्ज किए गए हैं। इन पीड़ितों में 290 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। इसलिए पुलिस ने ज़्यादा सतर्क रहने की अपील की है। पिछले साल, महिलाओं के खिलाफ अनजान लोगों द्वारा हमले के 3 मामले और नाबालिग लड़कियों से जुड़े 9 मामले दर्ज किए गए। नाबालिग लड़कियों के साथ छेड़छाड़ सहित छेड़छाड़ के 60 मामले और POCSO के 25 मामले दर्ज किए गए। जाने-पहचाने आरोपियों के खिलाफ रेप के 210 मामले और रेप सहित POCSO के 290 मामले दर्ज किए गए। छेड़छाड़ के 485 मामले और छेड़छाड़ सहित POCSO के 219 मामले दर्ज किए गए हैं।

1,270 स्कूलों में चलाए अवेयरनेस प्रोग्राम

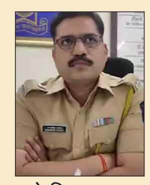

“बच्चों के साथ होने वाले सेक्सुअल अब्यूज़ को रोकने के लिए उन्हें ‘गुड टच और बैड टच’ के बारे में जागरूक किया जाता है। पुलिस के साथ-साथ कॉज़ फ़ाउंडेशन, दिशा फ़ाउंडेशन वगैरह ने मिलकर 1,270 स्कूलों में पब्लिक अवेयरनेस प्रोग्राम चलाए हैं और सेफ़्टी ऑडिट किए हैं। महिलाओं के ख़िलाफ़ अत्याचार के अपराधों को गंभीरता से लिया जाता है और आरोपियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जाती है।

-अमरसिंह जाधव, डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट, ठाणे सिटी

लड़कियां ‘गुड टच, बैड टच’ पहचानें

गुड और बैड टच के बारे में लड़कियों को जागरूक करने का काम ठाणे सिटी पुलिस क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर कर रही है। ठाणे सिटी पुलिस ने बताया कि पिछले साल स्कूलों और कॉलेजों में दो हज़ार से ज़्यादा पब्लिक अवेयरनेस प्रोग्राम चलाए गए हैं।

अंबरनाथ में सड़क निर्माण में करोड़ों का भ्रष्टाचार

- एक ही सड़क निर्माण पर दो बार टेंडर
- नगरसेवक ने नपा पर लगाए आरोप
- जांच की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा में प्रशासकीय कार्यालय में भारी भ्रष्टाचार हुआ है. शहर पश्चिम में एक ही कंक्रीट सड़क निर्माण के लिए दो बार टेंडर निकाला गया है और नपा अधिकारी, इंजीनियर, ठेकेदार एवं कुछ लोगों की मिलीभगत करके करोड़ों रुपए डकार लिए गए हैं. यही नहीं एक निजी सोसायटी की हद में नपा ने 60 लाख रुपए खर्च करके सड़क निर्माण करके दिया है. इसकी पूरी जांच करके दोषी इंजीनियर एवं ठेकेदार पर कार्रवाई करने की मांग शिवसेना के नगरसेवक विकास हेमराज ने जिलाधिकारी, मुख्याधिकारी एवं नगराध्यक्षा से की है.

सोमेश्वर के अनुसार वर्ष 2022 में शहर पश्चिम में नाना पाटिल चौक से वाधवा कॉम्प्लेक्स तक 18 मीटर डीपी सड़क के कंक्रीट सड़क निर्माण काम के लिए 3 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से पूरा किया जा चुका था. इसके बाद वर्ष 2025 में इसी सड़क को वाधवा कॉम्प्लेक्स से नाना पाटिल चौक तक का नाम देते हुए 3 करोड़ 39 लाख रुपयों का नया टेंडर जारी कर दिया गया. इक ही काम को दो बार बता कर इंजीनियर, ठेकेदार और एक पीत पत्रकारिता करने वाले ने नगर परिषद को चूना लगाकर जनता को धोखा देकर नपा के खजाने से पैसे निकाल लिए हैं. इसकी पूरी जांच होनी चाहिए. ऐसी मांग विकास सोमेश्वर ने की है. इस कार्य के लिए अतिरिक्त दो करोड़ रुपए भी नपा से लिए गए हैं. ऐसा भी आरोप है. इसी तरह दर्गा के समक्ष सिंग हाइट्स सोसायटी जो की निजी मिल्कियत है, इसमें 60 लाख रुपए खर्च करके नपा ने सड़क निर्माण करके दिया गया है. ऐसा आरोप विकास सोमेश्वर ने लगाया है.

डोंबिवली में बार में मारपीट

- 7-8 लोगों ने 2 लोगों को किया घायल

कल्याण. डोंबिवली के एक बार में खूनी झगड़ा हुआ। कन्नड़ में गाली-गलौज से गुस्साए 8 से 10 लोगों के एक ग्रुप ने दो लोगों पर पेवर ब्लॉक, लोहे की रॉड और गमलों से हमला कर दिया।

विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत के मुताबिक, राकेश और उसका दोस्त आकाश गुप्ता गेस्ट बार में गए थे। बार में कुछ लोग शराब पी रहे थे। वहां शराब पी रहे एक आदमी को शक था कि आकाश गुप्ता ने उसे कन्नड़ में गाली दी है। इस पर दोनों के बीच बहस हो गई। नशे में धुत उस आदमी ने किसी को फोन करके 7-8 लोगों को बार में बुला लिया. कुछ ही देर में एक गैंग ने राकेश और आकाश पर हमला कर दिया। इस गैंग के मेघराज कांबले और उसके साथियों ने न सिर्फ राकेश के सिर पर लोहे की किसी चीज से वार किया, बल्कि जमीन से एक गमला उठाकर उसकी कमर पर भी मार दी।

हमले में आकाश गुप्ता के सिर में भी गंभीर चोटें आईं। दोनों को बेहोश देखकर हमलावर वहां से भाग गए।

ठाणे जिले में आपदा निवारण का प्रशिक्षण

- NDRF और SDRF का 1 से 15 अप्रैल तक स्पेशल ट्रेनिंग कैंप

उल्हासनगर. ठाणे जिला प्रशासन एक स्पेशल कैंपेन चलाएगा ताकि आपदाओं के दौरान नेशनल डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF) जैसी एजेंसियों के साथ कोऑर्डिनेट करने, लेटेस्ट इक्विपमेंट का इस्तेमाल करने और बचाव ऑपरेशन को और तेज़ी से करने की सीधी जानकारी स्थानीय संस्थाओं को दी जा सके। इस कैंपेन में, नेशनल डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फोर्स और स्टेट डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के अधिकारी लोकल एजेंसियों को आपदा से बचाव के सबक देकर ट्रेनिंग देंगे, जिससे जिले में डिज़ास्टर मैनेजमेंट सिस्टम और बेहतर होने की उम्मीद है।

आपदाओं के दौरान नागरिकों की सुरक्षा ज़रूरी है और इसके लिए ठाणे जिला प्रशासन ने कदम उठाए हैं। ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और डिस्ट्रिक्ट डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2026 तक जिले में ‘इंट्रोडक्शन प्रैक्टिस प्रोग्राम’ ऑर्गनाइज़ किया है। यह प्रोग्राम जिले में अलग-अलग जगहों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और हर सेशन में 200 ट्रेनी हिस्सा लेंगे।

नेशनल डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स और स्टेट डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स के कुल 25 अनुभवी अधिकारी और कर्मचारी ठाणे जिले में आ चुके हैं। इसमें 1 गैज़ेटेड अधिकारी, 2 सेकेंडरी अधिकारी और दूसरे पदों के 22 कर्मचारी शामिल हैं। यह टुकड़ी जिले के अलग-अलग म्युनिसिपल एरिया और ग्रामीण इलाकों में जाकर लोकल सिस्टम को ट्रेनिंग देगी।

ठाणे के रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर और डिस्ट्रिक्ट डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफ़िसर डॉ. संदीप माने ने सभी संबंधित डिपार्टमेंट को इस पहल की प्लानिंग करने के निर्देश दिए हैं। डिस्ट्रिक्ट डिज़ास्टर मैनेजमेंट ऑफ़िसर डॉ. अनीता जवांजल समेत ज़िले के सभी प्रांताधिकारी और तहसीलदार इस ट्रेनिंग में एक्टिव रूप से हिस्सा लेंगे। इस एक्सरसाइज़ के लिए सिर्फ़ सरकारी अधिकारियों को ही नहीं, बल्कि लोकल वॉलंटियर्स, सिविल डिफ़ेंस फ़ोर्स, पुलिस पाटिल और ‘आपदा मित्र-सखी’ को भी बुलाया गया है। इससे आपदा की जगह पर पहुँचने वाले लोकल मददगारों को टेक्निकल जानकारी मिलेगी।

4 अप्रैल को उल्हासनगर में ट्रेनिंग

2 अप्रैल : नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (हेडक्वार्टर हॉल), 4 अप्रैल : उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (सिद्धू भवन ऑडिटोरियम), 6 अप्रैल : ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (नरेंद्र बल्लाल हॉल), 7 अप्रैल : मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (नगर भवन, भायंदर प.), 8 अप्रैल : भिवंडी निज़ामपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (राजैया गजेगी हॉल), 9 अप्रैल : तहसीलदार ऑफिस शहापुर (शेटकी भवन), 10 अप्रैल : कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बिरला कॉलेज, कल्याण), 13 अप्रैल : तहसीलदार ऑफिस, मुरबाद (MIDC हॉल), 15 अप्रैल : तहसीलदार ऑफिस अंबरनाथ (आदर्श हाई स्कूल, बदलापुर)।

अंबरनाथ मुस्लिम जमात अध्यक्ष पद पर डॉ. जुबेर शाह

अध्यक्ष पद पर कुछ दिनों से चल रहा था विवाद

अंबरनाथ. अंबरनाथ मुस्लिम जमात के अध्यक्ष पद पर शहर के प्रख्यात डॉक्टर एवं जमात के ट्रस्टी डॉ. जुबेर शाह को चुन लिया गया है. गत कुछ दिनों से अध्यक्ष पद पर विवाद चल रहा था. उस विवाद को आपस में बैठकर सुलझा लिया गया है. ऐसा डॉ. जुबेर ने कहा है. बुधवार रात में मुस्लिम जमात के ट्रस्टियों की एक बैठक गैबनशाह वली दर्गा के पास जमात के कार्यालय में हुई. जिसमें लगभग सभी ट्रस्टियों ने डॉ. जुबेर साह को अध्यक्ष बनाने पर जोर दिया. उनको अध्यक्ष चुना गया. उस समय ट्रस्टी सलीम चौधरी, यूसुफ के. शेख, आरिफ काजी, बिस्मिल्लाह शेख, इमरान शेख, अरबाज कुरैशी, चांद शेख, नईम शेख, मकबूल शेख, ख्वाजा यूनुस चौधरी, सिकंदर पटेल, अनवर शेख, जलालुद्दीन शेख, एड. साबिर चौधरी आदि ट्रस्टी उपस्थित थे. 14 ट्रस्टियों ने डॉ. जुबेर को अध्यक्ष नियुक्त करने में सहमति जताई है. नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा है कि वह मुस्लिम समाज के विकास कार्यों एवं समाज की उन्नति के लिए कार्य करेंगे. ये मालूम नहीं हो सका है कि डॉ. जुबेर को कितने महिने के लिए अध्यक्ष बनाया गया है.

विदित हो कि अंबरनाथ मुस्लिम जमात शहर के मुसलमानों का नेतृत्व करती है. जमात के अंतर्गत 3 मस्जिदें, एक दर्गा, दो कब्रस्तान हैं. इसी महिने में हजरत गैबन शाह वली का उर्स है, जो कि पूरे शहर में जश्न मनाकर किया जाता है.

RTE के तहत 25 हजार आवेदन

- ठाणे जिले में हैं 11 हजार सीटें
- ग्रामीण इलाकों से कम रिस्पॉन्स

मनपा	आवेदन
ठाणे	5,470
कल्याण-डोंबिली	3,091
भिवंडी	1,741
उल्हासनगर	669
नवी मुंबई	5,326
मीरा भयंदर	562

तालुका	आवेदन
कल्याण	2,600
भिवंडी	1,473
मुरबाद	1,024
अंबरनाथ	215
शहापुर	2,882
कुल	25,053

ठाणे. RTE एडमिशन प्रोसेस के लिए अप्लाई करने की आखिरी तारीख 31 मार्च थी। इसके मुताबिक, ठाणे जिले में 25 हजार 53 स्टूडेंट्स के आवेदन दाखिल किए गए हैं। ठाणे जिला शिक्षण विभाग से मिली रिपोर्ट से पता चलता है कि सबसे ज्यादा 5470 आवेदन ठाणे मनपा की सीमा के स्टूडेंट्स के हैं।

राइट टू एजुकेशन एक्ट के मुताबिक, प्राइवेट स्कूलों में 25% रिजर्व सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित ग्रुप के स्टूडेंट्स को फ्री एडमिशन दिया जाता है। एकेडमिक ईयर 2026-27 के लिए RTE एडमिशन प्रोसेस 17 फरवरी से शुरू हुआ था। इस साल के RTE एडमिशन प्रोसेस में शुरू में यह कंडीशन लगाई गई थी कि स्कूल 3 km के बजाय 1 km की दूरी के अंदर चुने जाएं। इस कंडीशन की वजह से पेरेंट्स के लिए स्कूल चुनते समय कन्फ्यूजन हो गया था।

ठाणे जिले में 11 हज़ार 754 सीटों के लिए RTE एडमिशन प्रोसेस चल रहा है। इस साल, एप्लीकेशन की डेडलाइन तीन बार बढ़ाई गई थी। इसके अनुसार, एप्लीकेशन की आखिरी तारीख 31 मार्च थी। ठाणे जिले के शिक्षा विभाग के अनुसार, ठाणे जिले में 31 मार्च तक 25 हज़ार 53 छात्रों ने RTE एडमिशन प्रोसेस के लिए अप्लाई किया है।

ग्रामीण इलाकों से RTE को कम रिस्पॉन्स

1 किलोमीटर की दूरी की शर्त रद्द होने के बावजूद, यह देखा गया है कि RTE एडमिशन प्रोसेस को ग्रामीण इलाकों से कम रिस्पॉन्स मिला है। कल्याण, मुरबाड, शहापुर, अंबरनाथ और भिवंडी तालुका से सिर्फ़ 8194 एप्लीकेशन मिले हैं। इसमें से सबसे ज़्यादा एप्लीकेशन अंबरनाथ तालुका से हैं। जबकि सबसे कम 215 एप्लीकेशन मुरबाड तालुका से हैं।

अंबरनाथ कर विभाग के स्टाफ का सम्मान

इस वर्ष 14 करोड़ गृहकर ज्यादा वसूला

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद गृहकर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रात-दिन कार्य करते हुए 94% कर वसूल करके एक रिकार्ड स्थापित किया है. कर अधिकारी नरेंद्र संखे, प्रशांत राणे की निगरानी में 55 करोड़ से ज्यादा की रकम एकत्रित करने पर गुरुवार को उप नगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने उन सभी अधिकारियों को शॉल पहनाकर एवं गुलदस्ता देकर उनका सम्मान किया. उससे पूर्व नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने नरेंद्र संखे और उनके स्टाफ का सत्कार किया है. इस अवसर पर नरेंद्र संखे ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर एकत्रित करने के लिए हमारे स्टाफ ने बड़ी मेहनत की है. वह घर-घर गए, नोटिस दी गई, सोसायटी में जाकर कैम्प लगाया, रात 11 बजे तक एवं छुट्टी के दिनों में भी टैक्स वसूली का कार्य शुरू रखने से पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष ज्यादा कर वसूलने में सहायता मिली है. उन्होंने सम्मान करने वाले नगराध्यक्ष एवं उप नगराध्यक्ष का आभार व्यक्त किया है. उप नगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने कहा कि ये कर विभाग के सभी कर्मचारियों की मेहनत का फल है कि इस वर्ष गत वर्ष के मुकाबले में 14 करोड़ रुपए ज्यादा रकम वसूली गई है. उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों ने जिस लगाव से, मेहनत से कार्य किया है, इसके लिए उनका सत्कार करना जरूरी था, जो हमने किया. नरेंद्र संखे, प्रशांत राणे के साथ सावंत, नवनीत देवरे एवं महिला कर्मचारियों का सत्कार किया गया. उस समय नगरसेवक सचिन पाटिल, नगरसेविका पूनम शेलार आदि उपस्थित थे.

मासूम से दरिंदगी, पुजारी गिरफ्तार

कल्याण. डोंबिवली में एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। तिलकनगर थाना क्षेत्र में एक पुजारी ने पड़ोस में रहने वाली 5 साल की बच्ची के साथ घिनौनी हरकत की। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आए दिन बच्चों के साथ हो रही ऐसी घटनाओं के बीच यह मामला लोगों में गुस्सा और डर दोनों बढ़ाने वाला है।

जानकारी के मुताबिक, गोग्रासवाड़ी इलाके में पूजा-पाठ कराने वाला पुजारी हरीश भावे आरोपी है। वह पीड़ित परिवार के पड़ोस में रहता था और घर में उसका आना-जाना था। इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने बच्ची के साथ गलत काम किया।

बताया जा रहा है कि बच्ची के माता-पिता दोनों काम पर जाते हैं। इसी दौरान आरोपी ने मौके का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।

मांस विक्रेता के खिलाफ FIR दर्ज

भिवंडी. ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत भिवंडी पुलिस ने महावीर जयंती पर मांस बिक्री प्रतिबंध का कथित रूप से उल्लंघन करने के आरोप में विक्रेता के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी भिवंडी क्षेत्र के भोईवाड़ा का निवासी है.

उसने कथित तौर पर निषेधाज्ञा के बावजूद मंगलवार को अपनी दुकान खुली रखी और मांस की बिक्री जारी रखी. नारपोली पुलिस की गश्त के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी को आदेश की अवहेलना करते हुए पाया. उन्होंने बताया कि मांस विक्रेता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (लोक सेवकों के वैध आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है.

नदियों का प्रदूषण रोकने के लिए प्राधिकरण

- मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला
- 2,000 करोड़ का जुटाया जाएगा फंड
- नदियों को किया जाएगा साफ

मुंबई. गुरुवार को हुई राज्य कैबिनेट मीटिंग में राज्य में नदियों का प्रदूषण कम करने और नदियों के संरक्षण और उन्हें फिर से बनाने के लिए रेगुलेटरी और डेवलपमेंटल काम करने के लिए महाराष्ट्र राज्य नदी पुनरूज्जीवन प्राधिकरण बनाने को मंजूरी दी गई। राष्ट्रीय नदी संवर्धन योजना की तर्ज पर राज्य में बनने वाली इस अथॉरिटी के चेयरमैन मुख्यमंत्री होंगे और पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री वाइस-चेयरमैन होंगे। फाइनेंस मिनिस्टर, शहरी विकास मंत्री, जल संसाधन मंत्री, उद्योग मंत्री, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री इस अथॉरिटी के सदस्य के तौर पर काम करेंगे। गुरुवार की मीटिंग में प्राधिकरण के लिए प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के ज़रिए 2,000 करोड़ रुपये का ज़रूरी फंड जुटाने और सरकार के योगदान के तौर पर 100 करोड़ रुपये देने को मंजूरी दी गई। माइनर मिनरल निकालने से मिलने वाली रकम का 10 परसेंट हर साल अथॉरिटी को देने को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, अथॉरिटी के लिए अलग-अलग कंपनियों से मिले सीआरएस फंड और अलग-अलग फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से मिली-जुली फाइनेंसिंग के ज़रिए फंड जुटाए जाएंगे। राज्य की 54 प्रदूषित नदियों को फिर से ज़िंदा करने के लिए धीरे-धीरे प्राथमिकता तय की जाएगी और यह अलग-अलग स्कीम को मिलाकर कॉम्प्लिमेंट्री पॉलिसी, यानी सीवेज ट्रीटमेंट, इंडस्ट्रियल कचरे से जुड़े उपाय, और अतिक्रमण रोकने के लिए नदी किनारे के इलाकों का तय करने की सिफारिश करेगी।

प्राधिकरण नदी बेसिन मैनेजमेंट प्लान तैयार करने, उन्हें लागू करने, ज़मीन अधिग्रहण, अतिक्रमण, बिजली सप्लाई और कॉन्ट्रैक्ट के मामलों को सुलझाने के लिए ज़िम्मेदार होगी। प्राधिकरण में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री की अगुवाई में एक स्टेट एग्जीक्यूटिव कमेटी और एक अलग सेक्रेटेरिएट भी होगा। इस सेक्रेटेरिएट में पर्यावरण और बायोडायवर्सिटी के क्षेत्र में काम करने वाले अलग-अलग NGO, संगठन भी शामिल होंगे।

इन नदियों की सफ़ाई पर ध्यान

भारत की 10 बड़ी नदियों में से 4 नदियां - नर्मदा, तापी, गोदावरी और कृष्णा महाराष्ट्र में हैं। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की 2025 में पब्लिश हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश भर में 296 प्रदूषित नदी बेल्ट हैं, जिनमें से सबसे ज़्यादा 54 महाराष्ट्र में हैं। इसमें मीठी, कालू, मुळा, मुळा-मुठा, मुठा, भीमा, पवना, नाग, चंद्रभागा, पंचगंगा नदियां शामिल हैं। यह अथॉरिटी इन नदियों के प्रदूषण और उन्हें फिर से ज़िंदा करने के बारे में फ़ैसला लेगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास

संपादकीय

वायु प्रदूषण का बढ़ता खतरा

वायु प्रदूषण केवल महानगरों और बड़े शहरों की समस्या नहीं है, छोटे शहर भी इससे प्रभावित हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से यह दावा किया जाता है कि प्रदूषण को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। देश भर में वायु गुणवत्ता का पता लगाने के लिए निगरानी केंद्र बनाए जाने की बात कही जाती है, मगर हकीकत यह है कि देश के करीब चालीस फीसद जिलों में अब तक निगरानी केंद्र स्थापित नहीं हो पाए हैं।

ऐसे में जब यह पता ही नहीं चल पाएगा कि हवा में प्रदूषण का स्तर कितना है, तो उसे कम करने के प्रयास भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेंगे। वैश्विक कंपनी 'एअरवाइस' की ओर से बीते मंगलवार को जारी एक अध्ययन रपट में बताया गया है कि कई शहरों और कस्बों में लोगों को अपने आसपास फैल रहे प्रदूषण के बारे में वास्तविक जानकारी ही नहीं मिल पाती है, जिस कारण उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ रहा है।

गौरतलब है कि मुंबई, दिल्ली और बंगलुरु जैसे बड़े शहरों में तो वायु प्रदूषण पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, लेकिन इस मामले में छोटे शहरों और कस्बों की आज भी अनदेखी की जा रही है। निगरानी केंद्र होने का एक फायदा यह है कि इससे आम लोगों को हवा में प्रदूषक तत्त्वों के स्तर की स्टीक जानकारी नियमित रूप से मिलती रहती है। ऐसे में सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से उठाए जाने वाले कदमों के साथ-साथ लोग खुद भी सतर्क रहते हैं और मास्क लगाने तथा जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलने जैसे उपायों को प्राथमिकता देते हैं।

मगर जब लोगों को इसकी सही जानकारी ही नहीं मिलेगी, तो वे इस तरह की सावधानी कैसे बरतेंगे। यह बात भी सामने आई है कि कुछ जिलों में निगरानी केंद्र तो हैं, लेकिन वे सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि देश के तमाम शहरों में वायु गुणवत्ता को मापने के लिए माकूल तकनीकी व्यवस्था की जाए और निगरानी केंद्रों के उचित रख-रखाव के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

विमर्श: परस्पर निर्भर भारत और खाड़ी देश

संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के राष्ट्रपति रहे शेख जायद बिन मोहम्मद के निमंत्रण पर मई 1981 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस खाड़ी देश का दौरा किया था। करीब 45 वर्ष पहले हुई इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने सहमति जताई थी कि खाड़ी क्षेत्र और भारत की सुरक्षा एवं कल्याण की कड़ियां आपस में जुड़ी हुई हैं। समय के साथ यह धारणा और मजबूत ही हुई कि दोनों क्षेत्रों की सुरक्षा और समग्र कल्याण परस्पर निर्भर हैं। एक ऐसे समय जब ईरान युद्ध के चलते समूचे क्षेत्र में अशांति बढ़ने से पूरे समीकरण बदल गए हैं तो यह विचार और प्रासंगिक हो गया है।

अरब प्रायद्वीप में सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर, यूएई और ओमान जैसे छह प्रमुख देश हैं। यहां दक्षिण एशियाई देशों की बड़ी प्रवासी जनसंख्या रहती है। इनमें से भी सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है, जिनकी तादाद नब्बे लाख से एक करोड़ के बीच है। पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों की संख्या भी पचास लाख से अधिक है। नेपाल और श्रीलंका के भी लाखों लोग यहां हैं। ये लोग इन देशों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये लोग पेशेवर, कार्यकारी और प्रबंधकीय से लेकर अर्धकुशल और सामान्य श्रमिक जैसी भूमिकाओं में सक्रिय हैं। यह कहना एकदम सही होगा कि भले ही खाड़ी देशों में यूरोपीय प्रवासी भी रहते हों, लेकिन उनका काम दक्षिण एशियाई विशेष रूप से भारतीयों के बिना नहीं चल सकता।

काम से जुड़ा भारतीयों का कौशल और भरोसा उन्हें इन देशों में व्यापक रूप से स्वीकार्य बनाता है। जितना खाड़ी के देशों को प्रवासियों की आवश्यकता है, उतनी ही उन्हें भी है, क्योंकि वे अपने देश को भारी मात्रा में धनराशि भेजते हैं। रेमिटेंस कही जाने वाली यह धनराशि इन देशों के वृहद आर्थिक स्थायित्व में संतुलन की भूमिका और बाहरी झटकों से बचाने में उपयोगी होती है। भारत के चालू खाते के लिए यह राशि बड़ा योगदान देती है, लेकिन मौजूदा हालात में पाकिस्तान के लिए यह अस्तित्व का संकट पैदा कर सकती है, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था पहले से ही नाजुक बनी हुई है। राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित बांग्लादेश के लिए भी रेमिटेंस की अहमियत कहीं ज्यादा बढ़ गई है। वृहद आर्थिक स्थिरता के अलावा खाड़ी देशों में कार्यरत लोगों द्वारा भेजे जाने वाला रेमिटेंस उनके स्वजनों के लिए भी बहुत आवश्यक है, क्योंकि अधिकांश परिवारों की योजनाएं इसी भेजी गई राशि के आधार पर टिकी होती हैं। उसके अभाव में उनके परिवारों का भविष्य अधर में भी लटक सकता है।

रेमिटेंस के अलावा खाड़ी देश भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। पाकिस्तान और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के लिए तो खाड़ी देशों की महत्ता और भी अधिक है। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं का आधे से अधिक हिस्सा इन देशों से आयात करता है, लेकिन उसने अमेरिका और यूरोपीय देशों जैसे अन्य स्त्रोतों से भी तेल आयात को विविधीकृत किया है। ये कुछ महंगे होंगे, लेकिन कम से कम उनकी उपलब्धता तो रहेगी। होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से बाकी दुनिया के साथ ही दक्षिण एशियाई देशों की समस्याएं भी बढ़ी हैं। पाकिस्तान के लिए समस्या यह है कि उसे सऊदी अरब और यूएई से क्रेडिट यानी बाद में भुगतान के साथ भी तेल मिलता है, जो वह अन्य देशों से प्राप्त नहीं कर सकता। इसके चलते भुगतान की स्थिति में पहले से ही आर्थिक मुश्किलों से जूझ रही पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था पर दबाव और बढ़ेगा। उर्वरकों की आपूर्ति में संभावित गतिरोध ने भी कृषि आधारित दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ाई है।

खाड़ी देश भारत के साथ ही अन्य दक्षिण एशियाई देशों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। भारत का खाड़ी देशों के लिए निर्यात उसके कुल निर्यात का एक बड़ा हिस्सा है। ईरान युद्ध ने इसे प्रभावित किया है। दुबई बंदरगाह कई निर्यात गंतव्यों के लिए पड़ाव भी है। खाड़ी क्षेत्र भारत समेत कई दक्षिण एशियाई देशों के लिए निवेश के महत्वपूर्ण स्त्रोत भी हैं। भारतीयों और अन्य दक्षिण एशियाई लोगों ने भी खाड़ी देशों में भारी निवेश किया है। इस युद्ध से उस पर आशंकाओं के बादल छाए हैं। इस तरह देखा जाए तो दशकों पहले इंदिरा गांधी और शेख जायद ने दोनों पक्षों के परस्पर हितों के जुड़ाव की जो बात कही थी, वह एकदम सही थी।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

युद्ध के असर से महंगा हुआ ईंधन

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उपजे संकट का असर अब भारत पर भी साफ दिखने लगा है। अभी तक सरकार यह दावा कर रही थी स्थिति नियंत्रण में है, मगर बुधवार को वाणिज्यिक एलपीजी और विमान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से स्पष्ट हो गया है कि समस्या अब गहराने लगी है और इसकी सबसे गंभीर मार आम लोगों पर पड़ने वाली है। अगर ईरान तथा अमेरिका-इजराइल का संघर्ष लंबा चला, तो यह तय है कि हालात और ज्यादा बिगड़ेंगे। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण घरेलू तेल कंपनियों ने उन्नीस किलोग्राम वाले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम 195.50 रुपए बढ़ा दिए हैं।

इसका असर यह होगा कि होटल, रेस्तरां और ढाबों पर भोजन करना तथा डिब्बाबंद खाद्य सामग्री अब महंगी हो जाएगी। इसके अलावा विमान ईंधन के दाम बढ़ाकर 2.07 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से अधिक कर दिए गए हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने इस बढ़ोतरी को घरेलू विमानन कंपनियों के लिए 8.5 फीसद तक ही सीमित रखा है। फिर भी आने वाले दिनों में हवाई यात्रा पहले के मुकाबले महंगी हो सकती है।

हाल ही में ऐसी खबरें आईं थी कि ईरान ने भारत समेत पांच देशों के तेल जहाजों को होर्मुज जलमार्ग से गुजरने की अनुमति दे दी है, लेकिन बीते सोमवार को कहा गया कि भारत आ रहे तेल और गैस के उन्नीस जहाज अभी भी इस जलमार्ग में फंसे हुए हैं। यानी युद्ध की वजह से खाड़ी क्षेत्र में स्थितियां इतनी जटिल हो गई हैं कि औपचारिक राहत के बावजूद भारत के लिए तेल जहाजों को इस क्षेत्र से बाहर निकालना आसान नहीं है। जाहिर है, ऐसी स्थिति में ईंधन के वैश्विक संकट के असर से भारत भी अछूता नहीं रहेगा।

घरेलू बाजार में जिस तेजी से वस्तुओं के दाम बढ़ने शुरू हुए हैं, उससे रोजमर्रा की चीजों की खरीदारी में आम लोगों को यह सोचने पर विवश होना पड़ रहा है कि क्या ज्यादा जरूरी है और क्या नहीं। खासतौर पर रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर जिस तरह की स्थिति पैदा हुई है, उसे नियंत्रित करने के लिए सरकार के समक्ष भी बड़ी चुनौती है। अभी तो वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि की गई है, लेकिन गैस आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं हुई, तो आने वाले समय में घरेलू रसोई गैस के दाम बढ़ाए जाने से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में आए उछाल के कारण देश में चुनिंदा प्रीमियम या ब्रांडेड पेट्रोल और डीजल के दाम में भी 1.50 रुपए से लेकर 11 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यानी घरेलू रसोई गैस और सामान्य पेट्रोल-डीजल के दामों में ही बढ़ोतरी नहीं हुई है, क्योंकि सरकार इसकी कीमतें स्थिर रखने की कोशिश कर रही है, लेकिन देखना होगा कि यह स्थिरता कब तक रहती है। सरकार के समक्ष भी यह चुनौती है कि इस समस्या के बीच आम लोगों को राहत बरकरार कैसे रखी जाए।

उत्पाद शुल्क में कटौती से खुले बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है, लेकिन अभी असली समस्या उपलब्धता की है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार कच्चे तेल की खरीद के लिए अन्य विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करे। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि मध्यपूर्व में अगर हालात सामान्य नहीं हुए, तो ईंधन की आपूर्ति और ज्यादा प्रभावित होगी तथा घरेलू स्तर पर इस समस्या से निपटना आसान नहीं होगा।

क्या आप जानते हैं Newspaper का फुल फॉर्म?

जरा हट के

ज्यादातर लोग रोजाना अखबार पढ़ते हैं, लेकिन जब फुल फॉर्म पूछा जाता है तो वे हैरान रह जाते हैं, कई लोगों के लिए तो न्यूजपेपर अपने आप में एक पूरा शब्द है. ऐसे में इसका भी कोई फुल फॉर्म होता होगा, ये लोगों के लिए शॉकिंग है. आज हम आपको इसका जवाब बताते हैं.

दरअसल, Newspaper का कोई आधिकारिक फुल फॉर्म नहीं है क्योंकि यह दो शब्दों "News" और "Paper" से मिलकर बना है. "News" का मतलब है नई जानकारी या खबरें, जबकि "Paper" मतलब कागज यानी Newspaper का सीधा अर्थ है "खबरों वाला कागज". लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर एक बहुत मशहूर और मजेदार फुल फॉर्म चल रहा है जो लोगों को चौंका रहा है. यह फुल फॉर्म है: North East West South Past and Present Events Report यानी उत्तर, पूर्व,

पश्चिम, दक्षिण– चारों दिशाओं की पिछली और वर्तमान घटनाओं की रिपोर्ट.

आपने न्यूज का फुल फॉर्म तो सुना ही होगा. उसी को एक्सटेंड कर पेपर का भी मतलब बना दिया गया. यह फुल फॉर्म काफी पॉपुलर हो गया है क्योंकि इसमें दिशाओं का जिक्र करके खबरों की व्यापकता को खूबसूरती से दिखाया गया है. अखबार सचमुच पूरे विश्व की खबरें चारों दिशाओं से लाकर पेश करता है. सोशल मीडिया पर जब इस सवाल का वीडियो शेयर किया गया तो कमेंट में कई लोग इसका जवाब देने में फेल ही गए. अब असली इतिहास जान लीजिए. "News" शब्द की उत्पत्ति पुरानी अंग्रेजी शब्द "Newes" से हुई है, जो "नई चीजें" या "नई घटनाएं" को दर्शाता है. 17वीं सदी में यूरोप में पहली बार printed news sheets निकलने लगे थे. शुरुआत में इन्हें "News-letter" कहा जाता था. बाद में जब बड़े साइज के कागज पर छपने लगे तो नाम पड़ा "Newspaper". भारत में अखबार की शुरुआत 1780 में "Bengal Gazette" से हुई थी, जो पहला अंग्रेजी अखबार था. आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा अखबार बाजार है. हिंदी, अंग्रेजी, क्षेत्रीय भाषाओं में हजारों अखबार रोज छपते है.

राग़ी मसाला चीला रैप

सामग्री :

- 1 कप रागी का आटा
- 2 चम्मच बेसन
- 1 बारीक कटा हुआ प्याज
- 1-2 बारीक कटी हरी मिर्च
- थोड़ा-सा बारीक कटा हरा धनिया
- आधा चम्मच जीरा और चुटकी भर हल्दी
- नमक (स्वादानुसार)
- आधा चम्मच तेल या देसी घी

फिलिंग के लिए:

- 50 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर या टोफू
- बारीक कटी हुई सब्जियां (शिमला मिर्च, गाजर, पत्तागोभी)
- 1 चम्मच पुदीने या धनिया की हरी चटनी
- थोड़ा-सा चाट मसाला

बनाने की विधि

एक बड़े बर्तन में रागी का आटा और बेसन निकाल लें। अब इसमें कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया, जीरा, हल्दी और नमक मिला लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए एक स्मूथ घोल तैयार कर लें। ध्यान रखें कि घोल न तो बहुत ज्यादा गाढ़ा हो और न ही बहुत पतला। इसे 10 मिनट के

लिए ढककर रख दें ताकि आटा अच्छी तरह सेट हो जाए। अब गैस पर एक नॉन-स्टिक तवा या पैन गरम करें और उस पर हल्का-सा तेल या घी लगाकर चिकना कर लें। एक कलछी भर कर रागी का घोल तवे के बीच में डालें और उसे डोसे की तरह गोल आकार में फैला लें। गैस की आंच मीडियम रखें। जब चीला एक तरफ से हल्का सुनहरा और क्रिस्पी होने लगे, तो उसे सावधानी से पलट दें और दूसरी तरफ से भी अच्छी तरह सेंक लें।

अब चीले को एक प्लेट में निकाल लें। इसके बीच में हरी चटनी की एक पतली लेयर लगाएं। अब इसके ऊपर कद्दूकस किया हुआ पनीर और अपनी मनपसंद बारीक कटी हुई कच्ची सब्जियां (गाजर, शिमला मिर्च) अच्छी तरह फैला दें। ऊपर से थोड़ा-सा चाट मसाला छिड़कें। अंत में, चीले को दोनों तरफ से मोड़कर एक रैप का आकार दे दें। बस फिर, तैयार हो जाएगा आपका गरमागरम, स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर रागी मसाला चीला रैप।

क्या होता है बॉक्स पर लिखा CE?

- जानिए इसका असली मतलब
- कैसे छोटा सा निशान आपके सामान की सेफ्टी की गारंटी है

जब भी आप कोई नया सामान खरीदते हैं, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने या पैकिंग में आने वाला कोई प्रोडक्ट, तो आपने कई बार बॉक्स पर छोटे-छोटे निशान देखे होंगे. इन्हीं में से एक होता है 'CE' लिखा हुआ. ज्यादातर लोग इसे या तो नजरअंदाज कर देते हैं या फिर समझते हैं कि यह कोई कंपनी का लोगो होगा. लेकिन असल में यह छोटा सा CE मार्क बहुत बड़ी जानकारी छुपाए होता है. यह सिर्फ एक डिजाइन नहीं बल्कि एक तरह का भरोसे का संकेत होता है.

आज के समय में जब बाजार में हजारों तरह के प्रोडक्ट उपलब्ध हैं, तब यह जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि जो चीज आप खरीद रहे हैं वह सुरक्षित है या नहीं. यही काम CE मार्क करता है. यह बताता है कि प्रोडक्ट कुछ खास इंटरनेशनल नियमों को फॉलो करता है और इस्तेमाल के लिए सुरक्षित माना गया है. इसलिए अगली बार जब भी आप कोई बॉक्स देखें और उस पर CE लिखा मिले, तो समझ जाइए कि यह कोई साधारण चीज नहीं बल्कि एक जरूरी सर्टिफिकेशन का हिस्सा है.

CE का फुल फॉर्म और इसका मतलब क्या है

CE का फुल फॉर्म होता है Conformité Européenne. यह एक फ्रेंच शब्द है जिसका मतलब होता है 'यूरोपियन मानकों के

अनुसार'. इसका सीधा मतलब यह है कि जिस प्रोडक्ट या उसके पैकेजिंग पर CE लिखा होता है, वह यूरोपियन यूनियन के बनाए गए नियमों और स्टैंडर्ड्स को पूरा करता है. इन नियमों में खासतौर पर हेल्थ, सेफ्टी और पर्यावरण से जुड़ी चीजों का ध्यान रखा जाता है. यानी CE मार्क देखकर आप यह मान सकते हैं कि प्रोडक्ट को इस तरह बनाया गया है कि वह यूजर के लिए सुरक्षित हो.

CE मार्क क्यों लगाया जाता है और इसका फायदा क्या है

अब सवाल यह उठता है कि कंपनियां अपने प्रोडक्ट पर CE मार्क क्यों लगाती हैं. इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि अगर कोई कंपनी अपना सामान यूरोप के देशों में बेचना चाहती है, तो उसे वहां के नियमों का पालन करना जरूरी होता है. CE मार्क इस बात का संकेत होता है कि प्रोडक्ट उन नियमों को पूरा करता है और उसे यूरोपियन मार्केट में बेचने की अनुमति मिल सकती है. इससे ग्राहक को भी भरोसा मिलता है कि वह जो चीज खरीद रहा है, वह टेस्टेड और सेफ है. यह मार्क एक तरह से क्वालिटी और सेफ्टी की पहचान बन चुका है.

क्या CE मार्क होने का मतलब 100%सेफ्टी है

यह समझना भी जरूरी है कि CE मार्क का मतलब यह नहीं है कि प्रोडक्ट पूरी तरह से परफेक्ट या कभी खराब नहीं होगा. इसका मतलब सिर्फ इतना है कि प्रोडक्ट ने जरूरी सेफ्टी और क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा किया है. यानी रिस्क कम होता है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं होता. इसलिए यूजर को भी सावधानी से प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना चाहिए.

आज का राशिफल

मेष : रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

वृषभ : व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रमाद न करें।

कर्क : आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

सिंह : तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें।

कन्या : वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

तुला : शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक : संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

धनु : मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर : लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ : मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धनार्जन होगा।

मीन : पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

फैटी लिवर को रिवर्स करना पॉसिबल

- डॉ. सरीन की सिर्फ 5 बातें मान लीजिए
- जल्द दिखने लगेगा फायदा

जब हमारे लिवर के सेल्स में फैट जमा हो जाता है, तब इस कंडीशन को फैटी लिवर कहा जाता है. फैटी लिवर की समस्या इन दिनों तेजी से बढ़ रही है. बड़ी संख्या में युवा भी फैटी लिवर का शिकार हो रहे हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो अब बच्चे भी फैटी लिवर की समस्या का शिकार हो रहे हैं. खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी खानपान, फिजिकल एक्टिविटी की कमी, शराब का सेवन और डायबिटीज के कारण फैटी लिवर के केस बढ़ रहे हैं. अगर शुरुआती स्टेज में फैटी लिवर का पता लग जाए, तो इसे बिना दवाओं के आसानी से रिवर्स किया जा सकता है.

फैटी लिवर को रिवर्स करने के 5 तरीके

डॉ. सरीन का साफ कहना है कि फैटी लिवर के करीब 50% मरीजों का वजन ज्यादा होता है. मोटापा फैटी लिवर की एक बड़ी वजह है. अगर आप अपने शरीर का 10 से 15% वजन कम कर लें,

तो इससे लिवर में जमा फैट कम हो सकता है. वेट लॉस से फैटी लिवर से राहत मिलने लगती है और लिवर की सूजन कम होती है. फैटी लिवर के मरीज अपना वजन कम करें.

शराब लिवर के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक है. अगर आप शराब पीते हैं, तो इसे बिल्कुल बंद कर दें. शराब फैटी लिवर ही नहीं, बल्कि लिवर की अन्य गंभीर बीमारियों की सबसे बड़ी वजह बन सकती है. इसके अलावा सिगरेट, बीड़ी और गुटखा से भी दूरी बना लें. ये सभी चीजें लिवर की सेहत को बुरी तरह प्रभावित करती हैं. शराब बंद करने से लिवर की सेहत सुधरने लगेगी.

आजकल अधिकतर लोग जंक फूड और डीप फ्राइड फूड्स का जमकर सेवन करते हैं. अगर आप फैटी लिवर से जूझ रहे हैं, तो इन चीजों से तुरंत दूरी बना लें. इसके बजाय ताजा फल, सब्जियां और मोटे अनाज का सेवन शुरू करें. कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें खाएं. मीठा बिल्कुल छोड़ दें और खाने के बीच में स्नैक्स के तौर पर चना खाएं.

अगर आपके लिवर में फैट जमा है, तो आप बिना चीनी वाली ब्लैक कॉफी पीना शुरू कर दें. ब्लैक कॉफी आपके लिवर में जमा फैट को पिघलाकर बाहर निकाल देगी और फैटी लिवर से राहत दिलाएगी. कॉफी का सेवन करने से लिवर सिरोसिस से बचाव हो सकता है और लिवर कैंसर का खतरा भी कम होता है. आप रोज 2 से 3 कप ब्लैक कॉफी पी सकते हैं.

डॉक्टर सरीन कहते हैं कि फैटी लिवर से छुटकारा पाने के लिए रोज एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटी जरूर करें. इससे आपकी ज्यादा कैलोरी बर्न होगी और फैट का जमाव कम होगा. हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से लिवर की सेहत सुधर जाएगी. इसके अलावा साल में एक बार अपने लिवर की जांच जरूर कराएं.

रेबीज वाले कुत्तों के 5 लक्षण

- अगर कुत्ता लगातार अपने सिर को ऊपर नीचे कर रहा हो तो यह न्यूरोलॉजिकल डैमेज का संकेत है और यह रेबीज का मजबूत लक्षण है. ऐसे कुत्तों के पास न खुद जाएं और न बच्चों को जाने दें.
- बहुत पतला और कमजोर कुत्ता हो बार-बार गोल-गोल घूम रहा हो तो उसके पास बिल्कुल न जाएं, इस तरह का व्यवहार रेबीज का तगड़ा संकेत होता है. लोगों को लगता है कि ऐसा करके डॉग खेल रहा है और एक्साइटमेंट में आकर बच्चे उसे छू लेते हैं लेकिन ऐसा कुत्ता तत्काल हमला कर सकता है और काट सकता है.
- अगर किसी कुत्ते के मुंह से लार टपक रही है या झाग गिर रहे हैं और उसका मुंह काफी देर तक खुला ही हुआ है तो यह रेबीज वाले कुत्ते का लक्षण हो सकता है.
- अगर कोई कुत्ता ठीक से चल नहीं पा रहा है, बहुत सुस्त है या मुंह से नॉर्मल भोंकने के बजाय अजीब-अजीब आवाजें निकाल रहा है या कहीं-कहीं मुंह मार रहा है जैसे वह कुछ काटना या खाना चाहता है तो उसे रेबीज हो सकता है.
- अगर रोशनी या आवाज के प्रति कुत्ता सेंसिटिव हो रहा है और असामान्य रिएक्ट कर रहा है, या गुस्सा हो रहा है तो यह भी रेबीज का लक्षण हो सकता है.

ऐसे कुत्तों को देखकर क्या करें?

हजारों डॉग बाइट के केसेज को हैंडल कर चुके डॉ. बोरकर कहते हैं कि ऐसे कुत्तों की पहचान करने के बाद उनसे दूरी बनाना सबसे बेहतर है. पेरेंट्स न तो खुद ऐसे कुत्तों के पास जाएं और न ही उनके आसपास से बच्चों को गुजरने या उन्हें छूने दें, क्योंकि अगर जरा सी भी लापरवाही हुई तो रेबीज से ग्रस्त डॉग अचानक हमला कर सकता

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

रस्सी से गला कसकर बीए की छात्रा की हत्या,

देवरिया. यूपी के देवरिया जिले के मदनपुर क्षेत्र में बीए के एक छात्रा की रस्सी से गला कस कर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने उसे कस्टडी में ले लिया। मामले में मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह बरांव गांव के दक्षिण डीह स्थित बृजेश प्रसाद के घोठ्ठे पर एक कमरे में काजल (20) पुत्री शिवानंद का शव मिला। जानकारी होने पर मोहल्ले में खलबली मच गई। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दिया। मौके पर थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद हमराहियों के साथ पहुंच गये। घटनास्थल को सील करते हुए पुलिस जांच में जुट गई। क्षेत्राधिकारी रूद्रपुर हरेराम यादव ने भी मौके पर पहुंच घटना का जायजा लिया।

मट्ठा पीने से 24 से ज्यादा बच्चों की बिगड़ी तबीयत

रायबरेली. रायबरेली जिले के कोतवाली क्षेत्र के पूरे रुद्र के मजरा मटका गांव में मट्ठा पीने से दो दर्जन से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए। इसमें एक ही परिवार के सात बच्चे जिला अस्पताल में भर्ती हैं। सलोन सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने बताया कि सभी बच्चों को बदहजमी और गैस्ट्रो की समस्या थी। सीएचसी में समुचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया था। हालांकि परिजनों ने अपने-अपने बच्चों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है। फिलहाल सभी बच्चों की हालत खतरे से बाहर है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि गांव पूरे रूद्र के मजरा मटका निवासी रामशंकर के घर कुछ दिन पहले भैंस ने बच्चा दिया था। गांव में एक रस्म है कि भैंस के बच्चा देने पर पहली बार उसके दूध से बना मट्ठा छोटे बच्चों को पिलाया जाता है। इसी के चलते बीते सोमवार को गांव के दो दर्जन से ज्यादा छोटे बच्चों को मट्ठा पिलाया गया था। इसके बाद बच्चों की हालत बिगड़ गई।

रील बनाने को नदी किनारे स्टंट करने गए थे आठ दोस्त, राप्ती नदी में उतरे चार युवक डूबे

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में मिर्जापुर पीपा पुल के पास बुधवार को राप्ती नदी में नहाने गए रानीडिहा के रहने वाले चार किशोर डूब गए। उनका एक दोस्त बच गया। एसडीआरएफ की मदद से नदी में उनकी तलाश की गई, लेकिन देर शाम तक कुछ पता नहीं चल सका। कैंट इलाके के रानीडिहा, शिव मंदिर टोला निवासी अमर उर्फ बीरू राजभर (15) पुत्र रामसमुझ, मालवीय नगर निवासी विवेक निषाद (15) पुत्र सतीश, जंगल सिकरी निवासी गगन पासवान (15) पुत्र संतदेव पासवान, रानीडीहा निवासी अनिकेत यादव पुत्र घनश्याम यादव (13) और राजकरन (14) पुत्र करन राजभर बुधवार को साइकिल से एक साथ घर से निकले थे। पांचों मिर्जापुर पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने पहुंचे। सभी गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। राजकरन किसी तरह से बच गया और दोस्तों को न देखकर डरवश मौके से भागकर घर चला आया।

होर्मुज खुलवाने के लिए भारत को आया बुलावा

नई दिल्ली. अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से लगभग महीनेभर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। बिना इजाजत होर्मुज पार करने वाले जहाजों पर ईरान मिसाइलें बरसाकर उन्हें समुद्र की तलहटी पर डुबो दे रहा है। दुनियाभर के देश इस चिंता में डूबे हुए हैं कि कैसे होर्मुज को खुलवाया जाए, जिससे ऊर्जा संकट से राहत मिल सके। इस बीच, ब्रिटेन ने इसे फिर से खुलवाने के लिए इंटरनेशनल लेवल पर बैठक आयोजित की है, जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। इसमें भारत को भी न्योता दिया गया है और केंद्र सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हो रहे हैं।

होर्मुज पर चर्चा करने वाली इस अहम बैठक के बारे में पुष्टि करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "ब्रिटेन ने बातचीत के लिए भारत सहित कई देशों को आमंत्रित किया है। विदेश सचिव इस बैठक में शामिल हो रहे हैं।" ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस बैठक से सफलता मिलेगी और होर्मुज खुलने पर कोई सहमति बन पाएगी या नहीं। अगर होर्मुज खुल जाता है तो दुनियाभर में ऊर्जा संकट कम हो जाएगा। इसी रास्ते से पहले 20 फीसदी कच्चा तेल जाता था।

ब्रिटेन गुरुवार को एक बैठक की मेजबानी कर रहा है, जिसका मकसद ऐसे देशों का एक गठबंधन बनाना है जो होर्मुज को फिर से खोलने के तरीकों पर विचार कर सकें। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करना अन्य देशों की जिम्मेदारी है। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर इस वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता कर रही हैं। इस बैठक में भारत, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात सहित लगभग 35 देश शामिल होंगे, और इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता को बहाल करने के तरीकों पर चर्चा करना है। इस बैठक में अमेरिका शामिल नहीं होगा।

यह युद्ध हमारा नहीं...

युद्ध की शुरुआत से ही ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने लगातार अपने देश को इस संघर्ष में घसीटने से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि यह हमारा युद्ध नहीं है और इसमें शामिल होना ब्रिटिश राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है। युद्ध के शुरुआती दिनों में, स्टार्मर ने ईरान पर हमले करने के लिए यूके के सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने के अमेरिका के अनुरोधों को भी ठुकरा दिया था। बाद में इस रुख में बदलाव आया और तब से ब्रिटेन ने अमेरिका को ईरान के खिलाफ रक्षात्मक हमलों के लिए कुछ खास सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी।

ट्रम्प बोले- ईरान पर जीत हासिल की

- उनकी सेना हमारे कंट्रोल में
- समझौता नहीं किया तो पाषाण युग में पहुंचा देंगे

ट्रम्प के भाषण में कोई नई बात नहीं

- ट्रम्प ने 19 मिनट का भाषण दिया। इसमें कोई नया ऐलान नहीं किया। वही बातें दुहराईं जो पिछले कुछ समय से कहते रहे हैं।
- उन्होंने युद्ध की लागत और इसके लंबा खिंचने से चिंतित अमेरिकियों से कहा कि वे इस संघर्ष को सही नजरिए से देखें। उन्होंने इराक (8 साल) और वियतनाम (19 साल) जैसे पिछले अमेरिकी युद्धों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान जंग तो अभी दूसरे महीने में ही पहुंची है।
- उन्होंने यह भी माना कि लोगों को आर्थिक परेशानी हो रही है, लेकिन कहा कि यह युद्ध जरूरी है। उन्होंने कहा, "यह आपके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य में निवेश है।"
- ट्रम्प ने ईरान से युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की मांग की, जबकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि उन्हें समझौते की जरूरत नहीं है।
- उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट संकट को लेकर कहा कि इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी दूसरे देशों को लेनी चाहिए। हालांकि, एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि होर्मुज खोले बिना कोई समझौता नहीं होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार सुबह राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ईरान जंग में जीत मिली है। साथ ही चेतावनी दी कि अमेरिका 2-3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेगा।

ट्रम्प ने आगे कहा कि ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौसेना खत्म हो गई है। सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। इस सैन्य अभियान का अहम मकसद पूरा होने वाला है।

ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका, ईरान को स्टोन एज, यानी पाषाण काल में भेज देगा। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई लीडरशिप पहले से कम कट्टर है।

एक भी जिंदा बचकर नहीं जाएगा

- अमेरिका के जमीनी हमले की आशंका के बीच ईरान की चेतावनी

अमेरिका से युद्ध के बीच ईरान के सेना प्रमुख मेजर जनरल अमीर हातामी ने गुरुवार को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर दुश्मन जमीनी हमला करता है तो एक भी जिंदा बचकर नहीं जा सकेगा। हम अपने दुश्मनों का पीछा तब तक नहीं छोड़ेंगे, जब तक हम अपने तय किए गए लक्ष्यों को हासिल नहीं कर लेते। हातामी का यह बयान तब सामने आया है, जब पिछले कई दिनों से अमेरिका द्वारा ईरान में जमीनी हमले की आशंका जताई जा रही है। अमेरिकी सेना मिडिल ईस्ट में भी पहुंच चुकी है। ईरान अमेरिका और इजरायल को दुश्मन देश मानता आया है। इस बीच, ईरान ने दावा किया है कि उसने शिराज शहर के ऊपर उड़ रहे इजरायली हर्मेस 900 ड्रोन को मार गिराया है। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, हातामी ने दो टूक कहा कि अगर जरूरत पड़ती है तो तेहरान अपनी सैन्य प्रतिक्रिया को और तेज करने के लिए पूरी तरह से तैयार भी है।

ईरानी सेना पूरी तरह तैयार...

ईरानी सेना प्रमुख ने यह भी कहा कि सेना दुश्मन की किसी भी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए आक्रामक और रक्षात्मक, दोनों ही क्षेत्रों में पूरी तरह तैयार है। यह जरूरी है कि दुश्मनों की हर हरकत और गतिविधि पर पल-पल, पूरी सावधानी और बारीकी से नजर रखी जाए, और दुश्मन के हमले के तरीकों का जवाब देने के लिए सही समय पर योजनाओं को अंजाम दिया जाए।र उल्लेखनीय है कि अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान की राजधानी तेहरान सहित देश के विभिन्न ठिकानों पर हमले किए थे, जिससे व्यापक क्षति हुई और अनेक नागरिक हताहत हुए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायली क्षेत्र और पश्चिम एशिया में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे। ईरान के आसपास बढ़ते तनाव के कारण फारस की खाड़ी के देशों से वैश्विक बाजार में तेल और तरल प्राकृतिक गैस की सप्लाई के प्रमुख मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट की वास्तविक नाकेबंदी हो गई है और इसने क्षेत्र में तेल एक्सपोर्ट एवं प्रोडक्शन के लेवल को भी प्रभावित किया है।

AAP ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया

- कहा- सदन में पार्टी की तरफ से नहीं बोलेंगे
- गिग वर्कर्स-रीचार्ज जैसे मुद्दे उठा चुके

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी (AAP) ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया है। उनकी जगह यह पोस्ट राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल दे दी है। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह जानकारी दी।

लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है।

पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और AAP को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं।

27 फरवरी को जब एक निचली अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में भी वे गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे उठा रहे थे।

अशोक मित्तल भी पंजाब से AAP के राज्यसभा सांसद हैं। वे जालंधर के रहने वाले हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। राजनीति में आने से पहले वह कामयाब बिजनेसमैन रहे हैं। उनका परिवार 'लवली ग्रुप' का मालिक है, जो ऑटोमोबाइल और मिठाई (लवली स्वीट्स) के व्यवसाय से जुड़ा है।

नीतीश से मिले तेजस्वी के बागी विधायक

- 14 अप्रैल के बाद बन सकती है नई सरकार

पटना. बिहार की सियासत में जल्द ही बड़ा उलटफेर होने वाला है। सूत्रों के अनुसार, सीएम नीतीश 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसके बाद 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

इसके साथ ही 18 तारीख तक बिहार में नई सरकार का गठन होगा। सीएम के इस्तीफे की चर्चाओं के बीच उनकी सिक्योरिटी को लेकर बड़ा फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद भी नीतीश कुमार को Z+ कैटेगरी की सिक्योरिटी मिलेगी। बिहार सरकार के गृह विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे भी का जिक्र है। लेटर में लिखा गया है, "बिहार विधान परिषद के सदस्य और मुख्यमंत्री बिहार के पद से त्याग-पत्र देकर राज्यसभा सदस्य की सदस्यता ग्रहण करेंगे।"

पश्चिम बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक, SC नाराज

- कहा- हमें पता है उपद्रवी कौन
- वोटर लिस्ट से नाम कटने पर लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में SIR से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। 7 न्यायिक अधिकारी मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित BSF कैंप के सामने भीड़ इकठ्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया। सड़क पर टायरों में आग लगा दी गई।

शाह बोले- 15 दिन बंगाल में रहूंगा : ममता को घर में हराना है

- TMC को खाड़ी में फेंक दो; शाह को काले झंडे दिखाए

कोलकाता. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं। TMC को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता।

शाह का काफिला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर TMC कार्यकर्ता ने काफिले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगाए। सिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए।

इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़ पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा- सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि सिर्फ नंदीग्राम में ही नहीं बल्कि हमें ममता को उनके घर में भी हराना होगा।

चुनाव से जुड़े 3 बड़े अपडेट्स

- मालदा की घटना पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी के बयान इसके जिम्मेदार हैं।
- केरलम चुनाव के लिए LDF और UDF ने घोषणापत्र जारी किया। कांग्रेस कई अन्य पार्टियों के साथ यूडीएफ गठबंधन में शामिल है।
- मुस्लिम CM वाले बयान पर BJP ने कहा, अगर मुसलमान अपने में से किसी को नेता चुनते हैं, तो ममता की पार्टी को बंगाल में 30 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

दरअसल, सीएम ममता पश्चिम बंगाल की भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी ने उनके खिलाफ सुवेंदु अधिकारी को दोनों सीट से मैदान में उतारा है।

दिल्ली ने लखनऊ को पांचवां IPL मैच हराया

- इकाना स्टेडियम में 6 विकेट से जीते
- रिजवी की फिफ्टी
- नटराजन-एनगिडी को 3-3 विकेट

IPL के पांचवें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। यह DC की LSG पर लगातार पांचवीं जीत रही। इकाना स्टेडियम में बुधवार को दिल्ली ने बॉलिंग चुनी। लखनऊ 18.4 ओवर में 141 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। दिल्ली ने 17.1 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

लखनऊ ने 105 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। यहां शाहबाज अहमद इम्पैक्ट प्लेयर बनकर आए और टीम का स्कोर 141 तक पहुंचा दिया। दिल्ली ने भी पावरप्ले में ही 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां इम्पैक्ट प्लेयर समीर रिजवी ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की और टीम को जीत दिलाई। रिजवी प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

दिल्ली से समीर रिजवी ने 70 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 39 रन बनाए। थंगारसु नटराजन और लुंगी एनगिडी ने 3-3 विकेट लिए। कुलदीप यादव को 2 विकेट मिले। वहीं लखनऊ से प्रिंस यादव ने 2 विकेट लिए। मोहसिन खान और मोहम्मद शमी को 1-1 विकेट लिया। अब्दुल समद ने 36 और मिचेल मार्श ने 35 रन बनाए।

- लखनऊ का पहली पारी में लोएस्ट स्कोर

लखनऊ ने पहली पारी में अपना अब तक का सबसे कम स्कोर बनाया। टीम ने दिल्ली के खिलाफ 141 रन बनाए। इससे पहले यह रिकॉर्ड 153/8 का था, जो उन्होंने 2022 में पंजाब के खिलाफ पुणे में बनाया था।

- शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया

मोहम्मद शमी ने 5वीं बार अपनी पहली बॉल पर विकेट लिया। प्रवीण कुमार-उमेश यादव जैसे बॉलर्स ने 3-3 बार यह कारनामा किया है। खास बात यह है कि शमी ने दो अलग-अलग टीमों के डेब्यू की पहली बॉल पर विकेट लिया। 2022 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू करते हुए उन्होंने केएल राहुल (LSG) को पहली ही गेंद पर पर आउट किया था, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए डेब्यू करते हुए भी उन्होंने केएल राहुल (DC) को पहली गेंद पर गोल्डन डक पर पवेलियन भेजा। मैच में 2 प्लेयर्स ने IPL डेब्यू किया। दिल्ली ने श्रीलंका के ओपनर पाथुम निसांका को डेब्यू कैप सौंपी। लखनऊ के लिए अनकैप्ड भारतीय मुकुल चौधरी ने पहला IPL मैच खेला।

ईरान नहीं जा पाएगा भारत में जुटाया गया चंदा!

- अब इस रकम का क्या करेगा दूतावास?

नई दिल्ली. भारत में ईरान का दूतावास पिछले कई दिनों से युद्ध राहत के लिए चंदा इकट्ठा कर रहा है। लेकिन अब इसमें एक पेंच फंसता नजर आ रहा है। दरअसल ईरानी दूतावास ने जो पैसा इकट्ठा किया है उसे वह सीधे ईरान ट्रांसफर नहीं कर सकता है। अब इस चंदे के पैसे का इस्तेमाल ईरान स्थानीय स्तर पर यानी भारत में ही दवाएं खरीदने के लिए करेगा। इसका मुख्य कारण यह है कि नियमित राजनयिक प्रक्रियाओं के माध्यम से इस पैसे को तेहरान ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है।

- चंदा इकट्ठा करने की प्रक्रिया में हुए बदलाव

शुरुआत में ईरानी दूतावास ने 14 मार्च को अपने मुख्य बैंक खाते के जरिए चंदा मांगा था। बाद में नियमों के अनुसार, इस उद्देश्य के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में एक अलग खाता खोला गया। विदेशी मिशनों को नकद या अनौपचारिक माध्यमों से चंदा लेने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद, 15 मार्च को ईरानी दूतावास ने सीधे नकद योगदान का विकल्प भी दिया था, लेकिन बाद में प्रक्रिया को औपचारिक बना दिया गया। अंततः ईरान ने स्पष्ट किया कि सभी दान केवल निर्धारित बैंक खाते के माध्यम से ही भेजे जाने चाहिए।

- दवाओं की खरीद और अमेरिकी हमले का प्रभाव

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने इस पैसे का इस्तेमाल भारत में दवाएं खरीदने के लिए करने का इरादा जताया है, जिसके लिए उसे अनुमति भी मिल गई है। भारत अपनी तरफ से पहले ही ईरान को दवाओं की एक खेप भेज चुका है। इस बीच, इन दवाओं को ले जाने के लिए ईरान की महान एयर का एक विमान मशहद से नई दिल्ली आने वाला था। लेकिन, पिछले हफ्ते उड़ान भरने से पहले ही एक एयरबेस पर हुए अमेरिकी हवाई हमलों में यह विमान क्षतिग्रस्त हो गया। अब ईरान आने वाले दिनों में नई दिल्ली से खरीदी गई दवाओं को एयरलिफ्ट करने के लिए एक और उड़ान भेजने की योजना बना रहा है।

- चंदे और आभूषणों को लेकर क्या हैं नियम?

द प्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि कश्मीर सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से जो सोना और आभूषण चंदे के रूप में मिले हैं, उन्हें भी स्थानीय बैंकों में जमा करके नकदी में बदलना होगा। सोने और आभूषण जैसी वस्तुओं को 'डिप्लोमैटिक पाउच' जैसे राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करके भी ईरान नहीं भेजा जा सकता है।

पंजाब BJP दफ्तर ब्लास्ट के बाद अब हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़. केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट के एक दिन बाद आज (गुरुवार, 2 अप्रैल को) पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है।

चंडीगढ़ पुलिस हेडक्वार्टर को भेजे एक ईमेल में यह धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा गया।

हाई कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर एंट्री और मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है। डॉग और बम स्क्वायड ने भी चेकिंग की है।

बीजेपी ने पूछा, आप सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही

इस बीच, चंडीगढ़ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब पुलिस के पास थी। शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार परोक्ष रूप से ऐसे तत्वों के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है, जिन्हें बाहर से फंडिंग मिल रही है। अब हमलावर घटनाओं के वीडियो बनाकर फैलाने लगे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। कुछ ताकतें पंजाब के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल करते हुए पूछा कि सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही है।

माता वैष्णो देवी जाने वाले भक्तों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली. इस सीजन में लोग घूमने जाते हैं। ऐसे में धार्मिक स्थलों पर भी भीड़ बढ़ जाती है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्थित वैष्णो देवी में भी लाखों भक्त पहुंचते हैं और माता के दर्शन करते हैं। उत्तरी रेलवे के जम्मू डिविजन ने ऐसे में भीड़ से निपटने के लिए ठोस तैयारी की है। उसने गुरुवार को नई दिल्ली और श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन की 40 अतिरिक्त फेरियों की घोषणा की, जोकि किसी खुशखबरी से कम नहीं है।

जम्मू के सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर उचित सिंघल ने बताया कि ट्रेन की जबरदस्त लोकप्रियता और पिछली यात्राओं के दौरान 100 फीसदी ऑक्यूपेंसी को देखते हुए, 15 अप्रैल से 16 जुलाई तक ट्रेन की सेवा बढ़ाने की मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि ट्रेन नंबर 04081 (नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा) 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक चलेगी और कुल 40 फेरे पूरे करेगी, जबकि ट्रेन नंबर 04082 (श्री माता वैष्णो देवी कटरा से नई दिल्ली) 16 अप्रैल से 16 जुलाई तक चलेगी और इस दौरान 40 अतिरिक्त फेरे लगाएगी।

संक्षेप...

ठाणे में आवारा कुत्ते को पीट-पीटकर मार डाला

ठाणे. ठाणे में आवारा कुत्ते को पीट-पीटकर मार डाला गया. इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश है. पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. घटना कल्याण के भोजरवाड़ी इलाके की एक हाउसिंग सोसायटी में रविवार रात को हुई. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कुछ लोग हाथों में डंडे लिए सोसायटी परिसर में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं.

IAS तुकाराम मुंढे, जिनके 21 साल में हुए 24 ट्रांसफर

■ फडणवीस सरकार ने अब कहां भेजा

मुंबई. बीते साल रिटायर हुए पूर्व आईएएस अधिकारी अशोक खेमका देश भर में ट्रांसफर के लिए मशहूर हो गए थे। पूरे कार्यकाल में उनका कुल 66 बार स्थानांतरण हुआ था। अब ऐसी ही कहानी आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की है। उनका मंगलवार को एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार ने ट्रांसफर किया है और बीते 21 सालों के कार्यकाल में उनका यह 24वां तबादला है। तुकाराम मुंढे को एक ईमानदार सरकारी अधिकारी के तौर पर जाना जाता है। मुंढे के अलावा जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें अश्विनी भिड़े, विकास चंद्र रस्तोगी और लोकेश चंद्र भी शामिल हैं।

मुंबई स्थित मंत्रालय में दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे का तबादला राज्य सचिवालय में सचिव, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, राजस्व और वन विभाग के पद पर किया गया है। उन्हें अगस्त 2025 में यानी एक साल से भी कम समय पहले दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव के पद पर तैनात किया गया था। मुख्यमंत्री की अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत अश्विनी भिडे को बीएमसी का आयुक्त नियुक्त किया गया है। अश्विनी भिडे. भारत के सबसे धनी नागरिक निकाय के 154 साल के इतिहास में इस पद को संभालने वाली पहली महिला बनी हैं।

तुकाराम मुंढे की बात करें तो उनका जन्म महाराष्ट्र के बीड़ जिले के एक गांव में हुआ था। उनके पिता किसान रहे हैं और जिला परिषद के सरकारी स्कूल से ही तुकाराम ने प्राइमरी शिक्षा प्राप्त की थी। प्रशासनिक सेवा के अपने करियर में तुकाराम की पहचान एक सख्त अधिकारी के तौर पर रही है। इसके अलावा उन्हें 'वॉटरमैन ऑफ महाराष्ट्र', जनता का अधिकारी और यूथ आइकॉन जैसे अवॉर्ड्स से भी नवाजा जाता रहा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त ऐक्शन लेने के अलावा अवैध गतिविधियों पर मोटा जुर्माना लगाने के लिए उनकी चर्चा होती रही है।

पुणे, नागपुर जैसे कई शहरों में तैनात रहे हैं तुकाराम

वह नवी मुंबई के कमिश्नर के तौर पर काम कर चुके हैं तो वहीं पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड के तौर पर भी कमान संभाल चुके हैं। ऐसे में जब उनका 24वीं बार ट्रांसफर हुआ तो इसकी भी चर्चा काफी ज्यादा है। बता दें कि हरियाणा के सीनियर अधिकारी रहे अशोक खेमका का नाम स्थानांतरण के चलते ही मशहूर हुआ था। वही अधिकारी थे, जिनके कार्यकाल में रॉबर्ट वाड्रा से जुड़ी लैंड डील का मामला सामने आया था। अब 21 साल में ही 24 ट्रांसफर पाने वाले तुकाराम मुंढे की भी उनसे तुलना की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर सुरेंद्र पाटिल गिरफ्तार

■ भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा और 3.52 लाख के नकली नोट जब्त

कल्याण. एक बड़े ऑपरेशन में, ठाणे क्राइम ब्रांच (यूनिट-3, कल्याण) ने एक बदनाम 55 साल के हिस्ट्रीशीटर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी, सुरेंद्र पांडुरंग पाटिल को गिरफ्तार किया है। उनके लग्ज़री घर में गैर-कानूनी हथियारों और नकली करेंसी का एक बड़ा ज़खीरा छिपा हुआ मिला। रेड और रिकवरी एक कॉन्फिडेंशियल टिप-ऑफ़ पर, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सरजेराव पाटिल की लीडरशिप में एक टीम ने पाटिल के घर, एकवीरा बंगलो पर एक स्ट्रेटेजिक रेड की, जो डॉवडी, डोंबिवली (ईस्ट) में श्री धनलक्ष्मी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में है।

तलाशी में एक छिपे हुए बेडरूम के अंदर एक वॉर्डरोब में बना एक सोफिस्टिकेटेड, सीक्रेट कम्पार्टमेंट मिला, जिसमें पांचवीं मंज़िल की छत पर एक शू रैक के पीछे एक छिपे हुए एंट्री से पहुंचा जा सकता था। इस ₹मिनी-आर्मरी₹ से पुलिस को ये चीज़ें मिलीं: सुरेंद्र पांडुरंग पाटिल, जो पेशे से एक कंस्ट्रक्शन बिज़नेसमैन हैं, एक इंस्टाग्राम 'रील स्टार' के तौर पर मशहूर हो चुके हैं।

हालांकि, उनकी डिजिटल शोहरत उनके लंबे समय के क्रिमिनल हिस्ट्री को छिपाती है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पाटिल एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ मनपाड़ा, कोल्शेवाड़ी, डोंबिवली और महात्मा फुले चौक सहित विभिन्न स्टेशनों पर एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

स्थायी समिति सभापति पद के लिए शिंदे गुट के मल्लेश शेट्टी ने भरा नामांकन

■ 6 अप्रैल को होगा निर्विरोध चयन

कल्याण. गुरुवार को कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका में स्थायी समिति सभापति, शिक्षण समिति सभापति और माहिल व बाल विकास समिति सभापति पदों के नामंकन भरे गए।

स्थायी समिति सभापति पद के लिए शिवसेना (शिंदे) के नगरसेवक मल्लेश शेट्टी ने नामांकन भरा। जबकि शिक्षण समिति के लिए भाजपा के नगरसेवक अभिजीत थर्वल और महिला व बाल विकास समिति के लिए शिवसेना (शिंदे) की नगरसेविका सारिका सतीश जाधव ने नामांकन दाखिल किया। तीनों पदों के लिए एकमात्र नामांकन दाखिल होने से सभापति का चयन निर्विरोध होना लगभग तय माना जा रहा।

आगामी 6 अप्रैल को सभापति के नामों की औपचारिक घोषणा होगी। महापौर और उपमहापौर का चयन होने के बाद मनपा के अन्य महत्वपूर्ण पदों किसके खेमे में जाएंगे इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई थी। स्थायी समिति सभापति पद को लेकर शिवसेना (शिंदे) के नगरसेवक मल्लेश शेट्टी और विकास म्हात्रे के नाम की ज़ोरदार चर्चा थी। लेकिन पार्टी ने फिर एक बार फिर मल्लेश शेट्टी पर भरोसा जताया है। बतादें इससे पहले वे दो बार केडीएमसी के स्थायी समिति सभापति रह चुके है, और अब तीसरी बार भी उनका सभापति बनना लगभग तय माना जा रहा है।

लाडकी बहिन योजना के 68 लाख खाते बंद, e-KYC नहीं कराने पर कार्रवाई

मुंबई. महाराष्ट्र में महायुति सरकार की लाड़की बहिन योजना को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है. राज्य सरकार ने अनिवार्य ई-केवाईसी (e-KYC) प्रक्रिया पूरी न करने वाले करीब 68 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए हैं. इस कार्रवाई के बाद अब योजना के तहत सक्रिय खातों की संख्या 2.43 करोड़ से घटकर लगभग 1.75 करोड़ रह गई है.

जिन महिलाओं के खाते बंद हुए हैं, उनके लिए राहत की बात यह है कि सरकार ने ई-केवाईसी कराने की आखिरी तारीख 31 मार्च से बढ़ाकर अब 30 अप्रैल कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि अगर इस बढ़ी हुई समय सीमा के भीतर लाभार्थी अपनी केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लेते हैं, तो बंद खातों की संख्या में फिर से बदलाव हो सकता है.

सरकार ने साफ कर दिया है कि जो लोग गलती से इस योजना का लाभ ले चुके हैं, उनसे पैसों की वसूली नहीं की जाएगी. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भरोसा दिलाया है कि यह योजना बंद नहीं होगी. सरकार ने साल 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 26,000 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है. फिलहाल पूरी कोशिश यही है कि 30 अप्रैल तक ज्यादा से ज्यादा पात्र महिलाओं की केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए ताकि उन्हें बिना किसी रुकावट के आर्थिक मदद मिलती रहे.

फर्जीवाड़ा रोकने सरकार ने उठाया सख्त कदम

दरअसल, सरकार को ऐसी कई शिकायतें मिल रही थीं कि अपात्र लोग भी इस योजना का फायदा उठा रहे हैं. जांच में पता चला कि कुछ पुरुष और सरकारी कर्मचारी भी गलत तरीके से 1500 रुपये की मासिक सहायता ले रहे थे. इसी धांधली को रोकने के लिए वेरिफिकेशन और ई-केवाईसी का अभियान शुरू किया गया है. वेरिफिकेशन के दौरान एक तकनीकी पेच भी फंसा था. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मराठी भाषा में पूछे गए एक सवाल के गलत जवाब की वजह से करीब 24 लाख महिलाओं को 'सरकारी कर्मचारी' मान लिया गया था. हालांकि, बाद में हुई जांच में इनमें से 20 लाख महिलाएं पूरी तरह पात्र पाई गईं. बाकी बचे मामलों की जांच अभी भी जारी है.

पेपर कप इस्तेमाल करने पर जुर्माना

ठाणे. ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ डिपार्टमेंट ने उन होटलों और लोकल चाय की दुकानों पर जुर्माना लगाने का एक फॉर्मल ऑर्डर जारी किया है जो ड्रिंक्स सर्व करने के लिए डिस्पोजेबल पेपर कप का इस्तेमाल करना जारी रखे हुए हैं।यह निर्देश विशाल कुरकुटे की एक फॉर्मल शिकायत के बाद जारी किया गया।

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने सभी वार्ड कमेटियों के असिस्टेंट कमिश्नरों को एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें उन्हें इन हेल्थ और सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने वाली जगहों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है।

अवैध निर्माणों पर मनपा प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में

■ महासभा में वरिष्ठ नगरसेवक संतोष शेट्टी ने उठाया था अवैध निर्माण का मुद्दा

भिवंडी. भिवंडी मनपा के जिम्मेदार अधिकारी आंखे बंद किए अवैध निर्माण को बढ़ावा देने में जुटे है. मनपा अंतर्गत 1 से 5 प्रभाग समितियों की हद में क्षेत्रीय सहायक आयुक्त, बीट निरीक्षक की भ्रष्ट टोली आर्थिक फायदे के लिए एरिया में तेजी से शुरू अवैध निर्माण को संरक्षण देकर शहर का सत्यानाश कर रहे हैं.शिकायत के बाद भी नोटिस,एमआर टीपी फाइल कर मामले को दबा दिया जाता है.मनपा महासभा में वरिष्ठ नगरसेवक संतोष शेट्टी द्वारा पोगांव एरिया में घड़ल्ले से जारी अवैध निर्माण का मुद्दा उठाने पर आयुक्त अनमोल सागर ने 48 घंटे में तोड़क कार्यवाही का आदेश अतिक्रमण उपायुक्त विक्रम दराडे को दिया था जो 100 घंटे बाद भी नतीजा जीरो साबित हुआ है. आयुक्त के आदेश के बाद भी शुरू अवैध कारोबार से मनपा प्रशासन की तथाकथित पारदर्शी कार्यशैली सवालों के कटघरे में आ गई हैं.

विदित हो कि, पोगांव क्षेत्र में खाली पड़ी जमीन पर अवैध प्लॉटिंग कर गाला और दुकानों का निर्माण स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से अधिकारियों की जेबें भरकर अंजाम दिया जा रहा है. भाजपा वरिष्ठ नगरसेवक संतोष एम. शेट्टी ने महासभा में महापौर,आयुक्त के समक्ष मामले को संज्ञान में लाते हुए तोड़क कार्यवाही की मांग की थी. मनपा उपायुक्त (अतिक्रमण) बिक्रम दराड़े ने सदन में 72 घंटे में अवैध निर्माण ध्वस्त करने का दिलासा दिया था.आश्चर्यजनक है कि 5 दिन बाद भी मनपा उपायुक्त ने कोई एक्शन नहीं लिया और अवैध निर्माण धड़ल्ले से जारी है.

आयुक्त के आदेश की उड़ रही धज्जियां

मनपा प्रशासन द्वारा पोगांव क्षेत्र प्रभाग समिति क्रमांक-1अंतर्गत अवैध निर्माण पर नजर रखने और रोकथाम के लिए आयुक्त अनमोल ने बीट निरीक्षक रमाकांत म्हात्रे, रवि जाधव और नितीन जामेकर की बीट निरीक्षक पद पर नियुक्ति की बावजूद अवैध निर्माण पर कोई रोकथाम नहीं हुई है जो बीट सहायक आयुक्त मकसुम शेख सहित तीनों बीट निरीक्षकों के भ्रष्टाचार की कहानी बयान करने के लिए काफी है .शहर के जागरूक लोगों का कहना है कि, मनपा पहले से ही पिछले एक वर्ष में 291 अवैध इमारतों के निर्माणों के दबाव से जूझ रही है .भिवंडी में तमाम अवैध निर्माणों में जनप्रतिनिधियों की सीधी भागीदारी होने से मनपा अधिकारी,कर्मचारी एक्शन लेने में आनाकानी और नौकरी पर खतरे को लेकर चिंतित रहते हैं.

30 रिक्शा चालकों पर केस दर्ज

पनवेल. पनवेल शहर में बढ़ते अवैध तौर से यात्रियों को ढोने और रिक्शा चालकों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए पनवेल शहर पुलिस की यातायात नियंत्रण शाखा ने बुधवार की रात में वाहनों के विशेष निरीक्षण और नाकाबंदी अभियान चलाया. इस अभियान के दौरान कुल 120 रिक्शा की अच्छी तरह से जांच की गई, जिनमें से 30 रिक्शा चालकों पर अलग-अलग नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में केस दर्ज किया गया. इसमें एक रिक्शा चालक के खिलाफ शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में कार्रवाई की गई और एक रिक्शा जब्त किया गया.

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक औदुंबर पाटिल के नेतृत्व में और पनवेल आरटीओ के सहयोग से यह अभियान पनवेल रेलवे स्टेशन के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में चलाया गया. इस अभियान में पुलिस ने बिना लाइसेंस, बिना वर्दी, एक्सपायर फिटनेस और इंश्योरेंस वाली गाड़ियों के साथ-साथ तेज हेडलाइट इस्तेमाल करने वाले रिक्शा चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की.

पुलिस की इस कार्रवाई से डरकर कई रिक्शा चालक स्टेशन का एरिया से भाग गए, जिससे यात्रियों को परेशानी होने की संभावना थी. इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने नवी मुंबई मनपा के परिवहन विभाग से संपर्क करके यात्रियों के लिए रात में अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराईं.

'क्वीन 2' में नजर आएंगी कंगना रनोट

■ अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे।

एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी।

कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा।

पहली फिल्म के कलाकार इस बार नजर नहीं आएंगे

- फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है।
- शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी।
- 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

पारिजात रॉयल्स ने क्रिकेट चैंपियनशिप कप जीता

ठाणे. घोड़बंदर रोड पर पारिजात गार्डन सोसाइटी की तरफ से IPL की तरह दो दिन का बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट ऑर्गनाइज़ किया गया। इस टूर्नामेंट में आठ टीमों ने हिस्सा लिया और पारिजात रॉयल्स टीम ने नेट बैशर्स टीम को हराकर पहला पारिजात क्रिकेट चैंपियनशिप टूर्नामेंट जीता।

इस टूर्नामेंट में ठाणे रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर डॉ. संदीप माने और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी कमिश्नर गोदापुरे ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया और बेहतरीन खिलाड़ियों को सम्मानित किया और सोसाइटी की पहल की तारीफ़ की।

पारिजात गार्डन हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में बॉक्स क्रिकेट ऑर्गनाइज़ किया गया। IPL की तरह खिलाड़ियों की नीलामी के बाद, लीग मैच में आठ टीमों ने सात-सात मैच खेलकर मुकाबला किया। हर टीम में 40 साल से ज़्यादा उम्र का एक खिलाड़ी था और उन्हें बॉलिंग करना ज़रूरी था। टूर्नामेंट में 64 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट का उद्घाटन सीनियर सिटिज़न दादा कदम ने किया। ठाणे रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर डॉ. संदीप माने, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी कमिश्नर गोडापुरे ने अपनी बैटिंग और बॉलिंग से सभी खिलाड़ियों और दर्शकों का दिल जीत लिया।

इस डे-नाइट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में पारिजात रॉयल्स टीम ने नेट बैशर्स टीम को हराकर चैंपियनशिप कप जीता। इस टूर्नामेंट में प्रीतेश जाधव को प्लेयर ऑफ द सीरीज, प्रतीक जाधव को बेस्ट बैट्समैन, यज्ञेश पांचाल को बेस्ट बॉलर और वेदांत बोडेकर को बेस्ट फील्डर का सम्मान मिला। टूर्नामेंट कमिटी और टीम मालिकों ने हर मैच के विनर्स और बेस्ट प्लेयर्स को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। प्रीतेश जाधव, ओम जाधव, राहुल पाल, सुमेर राठौड़, प्रशांत मदाने, प्रशांत सोनार, सुधीर दुधाने, जुगल सिंह, अविनाश पाटिल, विशाल पाल और दिलीप शिंदे ने इस टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

हनुमान जन्मोत्सव की रही धूम

■ हनुमान भक्तों ने लगाए संकटमोचक के जयकारे

भिवंडी. भिवंडी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में संकटमोचक हनुमान के भक्तों द्वारा जन्मोत्सव महोत्सव अपार श्रद्धा, धूमधाम मनाया गया.संकटमोचक हनुमान जन्मोत्सव मौके पर मंदिर संचालकों द्वारा मंदिरों की साफ, सफाई कर खूबसूरती से फूलों की झालरों सहित रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया था. हनुमान भक्तों की टोली सुबह से ही मंदिरों में पहुंचकर हनुमान चालीसा पाठ, भजन, कीर्तन, पूजा अर्चना करके आराध्य देव बजरंग बली के जयकारे लगाते दिखाई पड़े.

गौरतलब हो कि, हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कासार आली स्थित मुंजोबा एवं श्री हनुमान देवस्थान समीप सुभाष उद्यान, कोबड पाड़ा, गोकुल नगर स्थित हनुमान मंदिर, तीन बत्ती स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर सहित ब्राह्मण आली, मंडई, अशोक नगर, गौरीपाड़ा, पद्मानगर, कामतघर, आशीर्वाद नगर, ताडाली, अंजूरफाटा, कालहेर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर, नवी बस्ती, भादवड़, चाबिंद्रा, शेलार, मानसरोवर आदि प्राचीनतम हनुमान मंदिरों में भक्तों की टोली ने सुबह पहुंचकर पूजा, अर्चना कर अपार श्रद्धा से संकटमोचक के समक्ष माथा टेक कर जय हनुमान, जय बजरंग बली, संकटमोचक के जयकारे लगाए. कासार आली सुभाष उद्यान के समीप मुंजोबा एवं हनुमान देवस्थान मंदिर ट्रस्टी महेश कृष्णा जगताप द्वारा संकटमोचक हनुमान जन्मोत्सव के पावन मौके पर मंदिर में पूजा, अभिषेक, जन्मोत्सव, महिला भजनी मंडल द्वारा भजन, कीर्तन का खूबसूरत प्रोग्राम आयोजित कर प्रसाद का वितरण किया.हनुमान मंदिर में भक्तों ने संकटमोचक हनुमान की भव्य मूर्ति का दर्शन कर जीवन कृतार्थ किया और प्रसाद ग्रहण किया.भारी तादाद में शहर के गणमान्य नागरिकों ने हनुमान जन्मोत्सव का दर्शन कर महापुण्य के भागीदार हुए.

बुलेट ट्रेन के 21 कि.मी. सुरंग का निर्माण कार्य पूर्ण

ठाणे. भारत के पहली बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में 21 किलोमीटर लंबी सुरंग शामिल है। इस सुरंग के पाँच किलोमीटर हिस्से की खुदाई न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (NATM) के माध्यम से पूरी कर ली गई है। जिसमें 21 किलोमीटर की टनल बीकेसी और शीलफाटा के बीच है और 5 किलोमीटर का NATM वाला हिस्सा घनसोली व शीलफाटा के बीच आता है। इसके साथ ही खुदाई पूरी होने के साथ ही अब सुरंग निर्माण के अगले चरणों में कार्य प्रगति पर है। सुरंग के अंदर ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण ड्रेनेज कास्टिंग गैंट्री के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे रिसने वाला पानी सुरक्षित रूप से एकत्रित होकर समर्पित ड्रेनेज प्रणाली के जरिए बाहर निकाला जा सके। इसके बाद वॉटरप्रूफिंग गैंट्री द्वारा विशेष मेम्ब्रेन लगाए जा रहे हैं, जो सुरंग को पानी के प्रवेश से सुरक्षित रखने के लिए एक सुरक्षात्मक परत प्रदान करते हैं। टनल की संरचना को मजबूती देने के लिए उसके प्रोफाइल के अनुसार रीइन्फोर्समेंट बार केज तैयार कर स्थापित किए जा रहे हैं, जो अंतिम कंक्रीट लाइनिंग के लिए स्टील फ्रेमवर्क का कार्य करते हैं।इसके पश्चात लाइनिंग गैंट्री द्वारा अंतिम कंक्रीट लाइनिंग डाली जाती है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099